E
Batch 2021-22

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : जून – २०२२

सत्र – २

विषय : आधुनिक गद्य : नाटक,निबंध, रेखाचित्र एवं संस्मरण (HDS - 201)

दि.: ०८/०६/२०२२ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.३०**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की मूल समस्या पर प्रकाश डालते हुए, ध्रुवस्वामिनी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

प्र. २ 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की पात्र-योजना पर सविस्तार प्रकाश डालिए ।

प्र. ३ 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की कथावस्तु का विवेचन कीजिए ।

प्र. ४ 'प्रिया नीलकंठी' निबंध संग्रह में परंपरा एवं आधुनिकता का समवाय दिखाई देता है – पठित निबंधों के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ५ महादेवी वर्मा के रेखाचित्रों की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ६ गांधी जी के विचार एवं साम्यवाद को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ७ 'अकाल पुरुष गांधी' पुस्तक की समग्र दृष्टि से समीक्षा कीजिए ।

प्र. ८ 'निपट मानव गांधी' और 'संयुक्त मानव गांधी' लेखों में लेखक ने गांधीजी के संदर्भ में कौन से विचार व्यक्त किए है ?

प्र. ९ **निम्नलिखित अवतरणों में से किन्ही दो की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए ।**

१) क्षमा हो महाराज ! दूत तो अवध्य होता है, इसलिए उसका संदेश सुनाना ही पडा ।

२) जब जब मैं शमी के बारे में सोचता हूँ, तो लगता है कि यह आत्मतेज धारण करनेवाली हमारी जातीय संस्कृति का प्रतीक है ।

३) 'अपने आप रहेगा' उसके स्वनिर्मित शब्द कोष में इसका अर्थ है – रहने दो जैसा करेगा वैसा पाएगा ।

४) औरों के लिए सोचना करने से बचना होता है, गांधीजी के लिए सोचना ही करना है ।

प्र.१० **निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।**

१) चंद्रगुप्त का चरित्र चित्रण

२) 'प्रिया नीलकंठी' में लोकसंस्कृति

३) 'बदलू' का चरित्र

४) 'अकाल पुरुष गांधी' शीर्षक